

SMT. MEENAKSHI P

Smt. Meenakshi P is the gurukkal of Kadathanad Kalari Sangham, a school for learning Kalaripayattu, which is an ancient yet traditional form of martial arts. Smt Meenakshi is widely recognized as the oldest female exponent of Kalaripayattu.

2. Born on April 13, 1942, Smt. Meenakshi started training in martial arts at the young age of 7. It was a time when India had just received independence that Smt. Meenakshi expressed her desire to learn Kalripayattu to her father, who made a bold decision to allow her to follow her dreams. She was then enrolled in Kadathanad Kalari Sangham to be trained under Mr. Raghavan gurukkal, the founder of Kadathanad Kalari Sangham. Being a performer at heart, she started learning Kalaripayattu along with classical forms of dance like Bharatanatyam.

3. Smt. Meenakshi learnt and taught Kalaripayattu for the past 67 years along with her guru Mr Raghavan whom she eventually got married to at a young age and with the continuous support of her two sons and her two daughters. After teaching four generations and thousands of students and even after the loss of her husband in 2009, she still maintains the age old practice of imparting knowledge for free to anyone willing to put in the efforts to learn.

4. Smt. Meenakshi displayed the talents of herself and her students in various locations mainly temples with the aim of keeping Kalaripayattu alive, the most noted of them being Thacholi Manikoth temple in Vadakara which has deep roots in Kadathanadan Kalaripayattu. Observing her talents and passion towards this form of martial arts more females started showing interest in Kalaripayattu. She has been more than happy to teach female students on how to defend themselves and the flow of female students of different ages and from different walks of life has increased over the past few years with the help of social media.

5. Smt. Meenakshi has been honored by various organizations for her achievement in martial arts but it was due to the power of social media that Smt. Meenakshi was invited to INK talks held in Goa to display her abilities and talk about her passion for Kalaripayattu. She was later given the prestigious Saarthak Naari — women achievers award in 2016 for her excellence in the field of martial arts.



श्रीमती मीनाक्षी पी

श्रीमती मीनाक्षी पी कदाथानाड् कलाड़ी संगम, जो कलाड़ीपायट्टू नामक प्राचीन किंतु परंपरागत मार्शल आर्ट सीखने का स्कूल है, की गुरूक्कल है। आप कलाडीपायट्टु की सबसे अनुभवी महिला प्रणेता के रूप सुविख्यात हैं।

2. आपका जन्म 13 अप्रैल, 1942 को हुआ था। आपने 7 वर्षों की अल्प आयु में ही मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था, यह वह समय था जब भारत को आजादी मिली ही थी। आपने अपने पिता को कलाडीपायट्टु सीखने की अपनी इच्छा के विषय में बताया और उन्होंने उस समय साहसिक निर्णय लेते हुए आपको अपने सपने को साकार करने की इजाजत दे दी। इसके बाद आपने कदाथानाड कलारी संगम के संस्थापक श्री राघवन गुरूक्कल के यहां दाखिला लिया। आप दिल से अपनी प्रस्तुति देने के लिए जानी जाती हैं एवं आपने भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय नृत्य विद्या सीखने के साथ-साथ कलाडीपायट्टु सीखना शुरू किया।

3. आप अपने गुरू श्री राघवन से कलाड़ीपायट्टू सीखने के बाद विगत 67 वर्षों से इसके प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही हैं। युवा अवस्था में ही आप की शादी अपने गुरू श्री राघवन से हुई। आपको अपने दोनों पुत्रों एवं दोनों पुत्रियों से लगातार समर्थन मिलता रहा। चार दशकों से हजारों शिष्यों को शिक्षा देने के बाद एवं वर्ष 2009 में अपने पति की मृत्यु के बाद भी आप शिक्षा की प्रारंपरिक प्रथा को अक्षुण्ण रखते हुए, सीखने की इच्छा रखने वाले और इसके लिए उचित प्रयास करने के लिए उत्सुक किसी भी व्यक्ति को शिक्षा देती हैं।

4. आप कलाडीपायट्टु को जीवित रखने के उद्देश्य से आप विभिन्न स्थानों, विशेषत: मंदिरों में अपनी और अपने शिष्यों की प्रतिभा के प्रदर्शन करती हैं, जिनमें से सबसे उल्लेखनीय वडाकारा में थाचोली मनीकोठ मंदिर है, जिसका कदाथानादन कलाडीपायट्टुम से गहरा संबंध है। मार्शल आर्ट के क्षेत्र में आपकी इस प्रतिभा और आपके समर्पण को देखते हुए और अधिक संख्या में महिलाएं कलाडीपायट्टु में रुचि लेने लगी। आपको महिला प्रशिक्षुओं को इस मार्शल आर्ट के माध्यम से अपनी रक्षा करने की शिक्षा देने में अपार प्रसन्नता होती है। इसके प्रशिक्षण हेतु समाज के विभिन्न क्षेत्रों एवं विभिन्न आयु वर्गों की महिलाओं की संख्या में विगत कुछ वर्षों में सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से वृद्धि हुई है।

5. आपको माशर्ल आर्ट में अपनी उपलब्धि के कारण विभिन्न संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है। परंतु, सोशल मीडिया के कारण ही आपको गोवा में आयोजित आईएनके टाक्स में अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन और कलाडीपायट्टु के प्रति अपने समर्थकों के विषय में बोलने हेतु आमंत्रित किया गया। आपको बाद में, मार्शल आर्ट के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए वर्ष 2016 में प्रतिष्ठित सार्थक नारी-वुमेन अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया।